A-303

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL–605

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (भाग एक)

एम. ए. हिन्दी (MAHL)

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. लोक साहित्य के संरक्षण एवं समाधान विषय पर विस्तृत निबंध लिखिए।

2. लोक गाथाओं की उत्पत्ति सम्बन्धी सिद्धान्तों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. कुमाउनी लोक साहित्य का वर्गीकरण करते हुए इसके गद्य एवं पद्य स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

4. लोक गीत से क्या आशय है ? कुमाउनी लोकगीतों की विविध विधाओं का वर्णन कीजिए।

5. जागर गाथा क्या है, जागर गाथाओं में गाये जाने वाली लोकगाथाओं की विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. लोक शब्द के स्वरूप एवं प्रवृत्ति को संक्षेप में लिखिए।

2. लोक गाथा और लोक कथा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3. कुमाउनी लोक गीतों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

4. न्योली गीतों की विषय-वस्तु को संक्षेप में सोदाहरण लिखिए।

5. कुमाउनी लोक साहित्य के महत्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

6. कुमाउनी नाट्य साहित्य के उद्भव एवं विकास का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

7. कुमाउनी लोक कथाओं की प्रमुख विशेषताओं की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

8. कुमाउनी लोक साहित्य के क्षेत्र में कहावतों तथा मुहावरों योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

****